संस्कृत प्राचीनतम भाषा और कई भाषाओं की जननी : प्राचार्य

खास बात

कॉलेज में 4 सितंबर को होगी संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

सबने की लवी और रितिका के श्लोक गायन की सराहना

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जगदीश सरन हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 28 अगस्त से 3 सितंबर 2023 तक मनाये जा रहे संस्कृत सप्ताह महोत्सव के द्वितीय दिवस मंगलवार को सुदर्शन सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहाँ कॉलेज प्राचार्य ने कहा कि संस्कृत ज्ञान विज्ञान की भाषा को मानते हुए सबको सीखना चाहिए।

इस मौके पर कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व बताते हुए कहा कि संस्कृत प्राचीनतम भाषा है, और कई भाषाओं की जननी है। इसे ज्ञान विज्ञान की भाषा मानते हुए सबको सीखना चाहिए। हमारे विद्यार्थी मातृभाषा के साथ-साथ संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी आदि अधिकतम भाषाओं को सीखने का प्रयास करें। जिससे उनका ज्ञान बहुआयामी हो सके।

कार्यक्रम के संयोजक संस्कृत विभाग के प्रभारी डॉ0 अरविंद कुमार ने संस्कृत भाषा का महत्व और वर्तमान स्थिति व भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसके अध्ययन के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने बताया कि इस वर्ष संस्कृत सप्ताह जेएस हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा में ही प्रस्तावित है, जिसमें जिले भर के संस्कृत विद्वान और विद्यार्थी जुटेंगे। संस्कृत सप्ताह का समापन इस आयोजन के साथ ही किया जाएगा।

महोत्सव में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनमें एक सितंबर को राजकीय महाविद्यालय जलेसर एटा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर ओंकार का विशिष्ट व्याख्यान होगा।

उन्होंने बताया कि 2 सितंबर को महाविद्यालय स्तरीय श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 4 सितंबर 2023 को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित संस्कृत प्रतिभा खोज की अमरोहा जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर डॉ0 नवनीत विश्नोई राजनीति शास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 प्रदीप कुमार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना, अमरोहा के नोडल प्रभारी डॉ0 पीयूष कुमार शर्मा आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। छात्र-छात्राओं ने भी प्रस्तुतियां दीं। जिनमें लवी सिरोही और रितिका द्वारा किए गए श्लोक गायन की सबने सराहना की।

इस दौरान कॉलेज के कई प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

संस्कृत कई भाषाओं की जननी : डा. वीर वीरेंद्र

जेएस हिंदू डिग्री कालेज में हुए कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य वीर वीरेंद्र सिंह • जागरण

जासं, अमरोहा : संस्कृत प्राचीनतम भाषा है और कई भाषाओं की जननी है। इसे ज्ञान विज्ञान की भाषा मानते हुए सबको सीखना चाहिए। हमारे विद्यार्थी मातृभाषा के साथ-साथ संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी आदि अधिकतम भाषाओं को सीखने का प्रयास करें, जिससे उनका ज्ञान बहुआयामी हो सके। यह विचार जेएस हिंदू पीजी कालेज में आयोजित संस्कृत महोत्सव के दौरान प्राचार्य डा.वीर वीरेंद्र ने व्यक्त किए।

कार्यक्रम के संयोजक संस्कृत विभाग के प्रभारी डा. अरविंद कुमार ने संस्कृत भाषा का महत्व और वर्तमान स्थिति व भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। बताया कि इस वर्ष संस्कृत सप्ताह महोत्सव में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें एक सितंबर को राजकीय महाविद्यालय जलेसर एटा के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. ओंकार का विशिष्ट व्याख्यान होगा। दो सितंबर को महाविद्यालय स्तरीय श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। चार सितंबर 2023 को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित संस्कृत प्रतिभा खोज की अमरोहा जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन जेएस. हिंदू पीजी कालेज अमरोहा में ही प्रस्तावित है।

।। संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः-2023 ।।

विशिष्टव्याख्यानम्

विषयः- संस्कृताध्ययनस्य आवश्यकता- स्थितिः सम्भावना च।

सत्राध्यक्षः

प्रो० वीरवीरेन्द्रसिंहः
प्राचार्यः

मुख्यवक्ता

डॉ० ओमकारः
सहायकाचार्यः
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जलेसर, एटा

संयोजकः

डॉ० अरविन्दकुमारः
अध्यक्ष, संस्कृतविभागः

समयः- 11:30 पूर्वाह्ने, 01-09-2023 तमे दिनाङ्के

स्थानम्- गूगल मीट
https://meet.google.com/ewj-nion-pkk

।। आयोजकः ।।

संस्कृतविभागः
जगदीशसरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालयः, अमरोहा

संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः
कार्यक्रमेऽस्मिन् भवतां भवतीनाञ्च स्वागताभिनन्दनम्।
संस्कृतविभागः
जगदीशशरण हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरोहा
REDMI NOTE 7 PRO
@MR ANKIT SINGH

संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः
कार्यक्रमेऽस्मिन् भवतां भवतीनाञ्च स्वागताभिनन्दनम्।
-: आयोजक :-
संस्कृतविभागः
जगदीशसरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरोहा
J.S.H. (P.G.) COLLEGE
AMROHA
REDMI NOTE 7 PRO
@MR ANKIT SINGH

संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः
कार्यक्रमेऽस्मिन् भवतां भवतीनाञ्च स्वागताभिनन्दनम्।
-: आयोजक :-
संस्कृतविभागः
जगदीशसरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरोहा
AMROHA
MI NOTE 7 PRO
R ANKIT SINGH

संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः
संस्कृतविभागः
REDMI NOTE 7 PRO
@MR ANKIT SINGH